६. ऐ सखि !

पूरक पठन

– अमीर खुसरो

श्रवणीय

पहेलियाँ सुनें और सुनाएँ :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● विद्यार्थियों को पहेलियाँ सुनाने के लिए कहें । ● गुटों में पहेलियाँ बुझाने का आयोजन करें । ● नई पहेलियाँ बनाने के लिए प्रेरित करें ।

रात समय वह मेरे आवे । भोर भये वह घर उठि जावे ।।
यह अचरज है सबसे न्यारा । ऐ सखि साजन ? ना सखि तारा ।।

वह आवे तब शादी होय । उस दिन दूजा और न कोय ।।
मीठे लागे वाके बोल । ऐ सखि साजन ? ना सखि ढोल ।।

जब माँगू तब जल भरि लावे । मेरे मन की तपन बुझावे ।।
मन का भारी तन का छोटा । ऐ सखि साजन ? ना सखि लोटा ।।

बेर-बेर सोवतहि जगावे । ना जागू तो काटे-खावे ।।
व्याकुल हुई मैं हक्की-बक्की । ऐ सखि साजन ? ना सखि मक्खी ।।

अति सुरंग है रंग रँगीलो । है गुणवंत बहुत चटकीलो ।।
राम भजन बिन कभी न सोता । क्यों सखि साजन ? ना सखि तोता ।।

अर्धनिशा वह आयो भौन । सुंदरता बरनै कवि कौन ।।
निरखत ही मन भयो अनंद । क्यों सखि साजन ? ना सखि चंद।।

शोभा सदा बढ़ावन हारा । आँखिन से छिन होत न न्यारा ।।
आठ पहर मेरो मनरंजन । क्यों सखि साजन ? ना सखि अंजन ।।

जीवन सब जग जासों कहै । वा बिनु नेक न धीरज रहै ।।
हरै छिनक में हिय की पीर । क्यों सखि साजन ? ना सखि नीर।।

बिन आए सबहीं सुख भूले । आए ते अँग-अँग सब फूले ।।
सीरा भई लगावत छाती । क्यों सखि साजन ? ना सखि पाती ।।

—०—

परिचय

जन्म : १२५३ पटियाली एटा (उ.प्र.)
मृत्यु : १३२५ **परिचय :** अबुल हसन यमीनुद्दीन मुहम्मद खुसरो जनसाधारण में अमीर खुसरो के नाम से प्रसिद्ध हैं । वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने हिंदी, हिंदवी और फारसी में एक साथ लिखा। अमीर खुसरो अपनी पहेलियों और मुकरियों के लिए जाने जाते हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : तुहफा-तुस-सिगर, वसतुल-हयात, गुर्रातुल-कमा नेहायतुल-कमाल, दोहे-घरेलू नुस्खे, कह मुकरियाँ, दुसुखने, ढकोसले, अनमेलियाँ/उलटबाँसियाँ आदि।

पद्य संबंधी

मुकरियाँ : यह लोक प्रचलित पहेलियों का ही एक रूप है जिसका लक्ष्य मनोरंजन के साथ-साथ बुद्धिचातुर्य की परीक्षा लेना होता है।

अमीर खुसरो ने इन मुकरियों के माध्यम से अपनी विशेष शैली में पहेलियाँ एवं उनके उत्तर दिए हैं

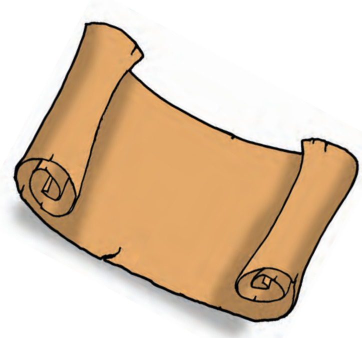

शब्द संसार

अचरज (पुं.दे.) = आश्चर्य
तपन (पुं.सं.) = गरमी, ताप
अर्धनिशा (स्त्री.सं..) = आधी रात
भौन (पुं.दे.) = भवन
अंजन (पुं.सं.)= काजल
हिय (पुं.सं.)= हृदय
बेर-बेर (क्रि.वि.)= बार-बार

संभाषणीय

'जीवन में हास्य का महत्त्व' पक्ष-विपक्ष में चर्चा कीजिए ।

लेखनीय

सुवचनों का संकलन कीजिए तथा सुंदर, सजावटी लेखन करके चार्ट बनाइए । विद्यालय की दीवारों को सजाइए ।

आसपास

पहेलियों का संकलन कीजिए ।

पठनीय

किसी महिला साहित्यिक की जीवनी का अंश पढ़िए, और उनकी प्रमुख कृतियों के नाम बताइए ।

कल्पना पल्लवन

'पुस्तकों का संसार, ज्ञान-मनोरंजन का भंडार' इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए ।

पाठ के आँगन में

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) मुकरियों के आधार पर निम्नलिखित शब्दों की विशेषताएँ लिखिए :

अ.क्र.	शब्द	विशेषता
१	तोता	राम भजन किए बिना कभी न सोने वाला
२	नीर	
३	अंजन	
४	ढोल	

(ख) भावार्थ लिखिए : मुकरियाँ - १, ५ और ९

पाठ से आगे

प्राकृतिक घटकों पर आधारित पहेलियाँ बनाइए और संकलन कीजिए ।

रचना बोध